NEWSLETTER

May 2022

Credentials

Patron : *Vice-Chancellor*
Editor :
Dr RK Sharma, Associate Prof. of English, University Department
Managing Editor :
Dr Kanjiv Lochan, Astt. Prof. of History, University Department
Representatives
Birsa College, Khunti
Naseem Haider
B S College, Lohardaga
Dr. Nikhil Kumar
Doranda College, Ranchi
Dr. Nilu Kumari
Gossner College, Ranchi
Dr. Subrato
J N College, Ranchi
Dr. Soni Tiwari
RLSY College, Ranchi
Dr. Agha Zafar
Mandar College, Mandar
Dr. Bandna Rai
Marwari College, Ranchi
Rahul Kumar
Simdega College, Simdega
Dr. Tiriyo Ekka
School of Humanities (PG Depts.)
Dr. Kumud Kala Mehta
School of Science (PG Depts.)
Dr. Anand Kumar Thakur
University Affaires
NSS Coordinator Dr. Brajesh Kumar
Photographer
Niranjan Kumar
We are looking for representatives for the *Newsletter* from teachers/individuals of the following institutions :
B N J College, Sisai
K O College, Gumla
K C B College, Bero
Marwari College, Ranchi
P P K College, Bundu
Ranchi Women's College
S S Memorial College, Ranchi
Minority Colleges
Registrar's office
School of Commerce
School of Social Sciences

From the editor's desk

March is the month of closures and new beginnings. Come March 8 and the celebration of empowered women reverberates throughout the University Departments and Colleges with Dr. Kamini Kumar, our Vice Chancellor as the beacon. While seminars and marches gender sensitized the campus it also provided the opportunity to renew the resolve for upliftment of women in the society.

The university has been abuzz with its Annual Youth Festival, Classical and popular musical event, Lecture Series, Golden Jubilee Celebration of Sanskrit department, farewells and welcomes of officers to new responsibilities, to name but a few, which are being included in the current newsletter. The first batch of Certificate course in Japanese language received their certificates having successfully completed the course.

Another feather in the cap for the University was the inauguration of Ranchi University Publications Division on March 11, 2022, by the honourable Vice Chancellor, Dr. Kamini Kumar. This is among the first in the universities of Jharkhand. It will provide a great impetus to Journal publication as well as publication of quality educational material for the benefit of the students. The Division would function under the DSW section of the University while there would be a Managing Editor attached to it.

The influx of faculty members, transferred to various University departments has infused fresh energy as several departments were being restricted in their functioning due to lack of hands. Be it Faculty Induction Programme or Departmental Seminars or for that matter preparation for the second cycle of NAAC inspection the induction of faculty has provided the much needed muscle to move into readiness.

A flurry of activities like Alumni engagement and Stake Holders' meetings has propelled all departments into preparing for the Annual Academic Audit with which this eventful month was set to close. The audit team visited on 30 - 31 March, 2022. It was a very fruitful exercise to prepare us for the final rounds of our NAAC grading in near future. As we move into summer from spring our experience will guide us into improved endeavours for the achievement of excellence in the field of higher education.

Dr. Samira Sinha, *Guest Editor*

पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

19 से 26 अप्रैल, 2022

विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एक दूसरे के लेखन से हुए परिचित

यूनिवर्सिटी के आर्यभट सभागार में **आरयू कलम** नाम से पुस्तकों की प्रदर्शनी लगी है। आरयू के इतिहास में इस तरह का पहली बार आयोजन हो रहा है। इसके व्यवस्थापक इतिहास विभाग के डॉ कंजीव लोचन हैं। आरयू कलम के पीछे मकसद यह है कि विवि के प्रोफेसर एक-दूसरे के लेखन से परिचित हो सकें। करीब पांच सौ अध्यापक इस विवि से जुड़े हैं। जाहिर है एक-दूसरे के काम को जानना संभव नहीं।

कौन क्या लिख रहा है, क्या पढ़ रहा है, कितनी किताबें आ चुकी हैं, यह सब एक जगह लोग आकर देखें, जानें। यह केवल अध्यापक प्रोफेसरों के लिए नहीं, बल्कि छात्र छात्राओं के लिए भी लाभदायक साबित हो 150 साल के पुराने मौसम का हाल देख सकते हैं रहा है। डा कंजीव लोचन ने कहा कि इसकी शुरूआत के पीछे यह बड़ा कारण है। झारखंड में लेखन का बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजन जरूरी हैं। नई पीढ़ी को इससे फायदा होगा।

पुस्तक प्रदर्शनी में एक दिलचस्प तुलना मौसम की भी मौजूद है। यहां डेढ़ सौ साल रांची के पुराने मौसम के हाल को देख सकते हैं। वर्ष 2016 तक के मौसम में इसकी तुलना की गई। इस तुलनात्मक अध्ययन से यह भ्रम दूर होता है कि रांची का मौसम बहुत बदल गया है। 150 साल में मामूली बदलाव ही दिख रहा है। कंजीव ने बताया कि आगे और भी पुस्तकों का प्रकाशन होगा।

500 किताबों की लगी है प्रदर्शनी

सभागार में 65 लेखकों की करीब पांच सौ किताबें प्रदर्शित की गई हैं। कुछ ऐसे भी लेखक हैं, जो हाल में अवकाश ग्रहण किए हैं। बांग्ला, इतिहास, संस्कृत, भूगोल, विज्ञान, जनजातीय, मनोविज्ञान, हिंदी आदि विभागों के लेखकों की किताबें यहां देखी जा सकती हैं। यही नहीं, आरयू नवाचार की ओर बढ़ रहा है। नैक की टीम भी आने वाली है। इसलिए कुछ नए काम भी दिखने चाहिए। इसी क्रम में विवि अब प्रकाशन की ओर रुख कर रहा है। देश के कई विवि बहुत पहले से पुस्तकों का प्रकाशन करते आ रहे हैं। अब रांची विवि का नाम भी जुड़ जाएगा। अभी इसने अपने विवि के इतिहास पर पुस्तक प्रकाशित की है। एक दूसरा बड़ा काम रांची गजेटियर का दोबारा प्रकाशन है। वर्ष 1917 में प्रकाशित रांची का गजेटियर दोबारा प्रकाशित हुआ है। कंजीव लोचन ने गजेटियर का अध्ययन कर उसकी कुछ त्रुटियों को दूर किया है और कुछ नए तथ्य भी जोड़े हैं।

पुस्तक प्रदर्शनी देखने पहुंचे खंडेलवाल

आरयू कलम के नाम से आयोजित रांची विश्वविद्यालयों के शिक्षकों और छात्रों की लिखी पुस्तकों की प्रदर्शनी में 21 अप्रैल को अपर मुख्य सचिव केके खंडेलवाल पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनी की तारीफ की और प्रतिभागियों का उत्सावर्द्धन किया। उन्हें बताया गया कि प्रदर्शनी

में विश्वविद्यालय के शिक्षकों की अंग्रेजी, हिंदी, संस्कृत, बंगला, उर्दू, हो, खड़िया, मुंडारी के साथ-साथ थाई भाषा में भी प्रकाशित पुस्तकें शामिल हैं।

रांची विवि के प्रकाशन विभाग को सशक्त बनाया जाएगा: कुलपति

विश्वविद्यालय के शिक्षकों और शोधार्थियों की लिखी पुस्तकों/आलेखों की प्रदर्शनी-आरयू कलम, का समापन 26 अप्रैल को हुआ। समापन समारोह में कुलपति डॉ कामिनी कुमार के अलावा विश्वविद्यालय के पदाधिकारी, डीन व अन्य शिक्षकगण मौजूद थे। विश्वविद्यालय के प्रकाशन विभाग के प्रबंध संपादक डॉ कंजीव लोचन ने प्रदर्शनी की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

कुलपति डॉ कामिनी कुमार ने कहा कि उत्कृष्ट रचनाओं की. इस प्रदर्शनी से विश्वविद्यालय के शिक्षकों का मान-सम्मान बढ़ा है। सप्ताहभर चली इस प्रदर्शनी में 96 शिक्षकों की रचनाएं प्रदर्शित हुई, कुछ पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। जनजातीय भाषा और थाई भाषा समेत 11 भाषाओं की पुस्तकें प्रदर्शित हुई। राज्य के आला अधिकारियों समेत 400 से अधिक प्रबुद्ध पुस्तक प्रेमियों ने प्रदर्शनी रांची विश्वविद्यालय की पुस्तक प्रदर्शनी के समापन के मौके पर कुलपति डॉ कामिनी कुमार व अन्य शिक्षकगण। को देखा और सराहा। उन्होंने कहा कि हमारी योजना है कि विश्वविद्यालय के शिक्षकों की पुस्तकों के संग्रह को केंद्रीय पुस्तकालय के किसी विशिष्ट रेफ्रेंस सेक्शन में रख दिया जाए, ताकि विश्वविद्यालय के छात्र और शिक्षक इससे लाभान्वित होते रहें।

Zoology
Geology

RU कलम
Psychology
Political Science

VIP

RU कलम

मारवाड़ी कॉलेज में सरहुल पूर्व संध्या

मारवाड़ी कॉलेज के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग में 1 अप्रैल को सरहुल पूर्व संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ कामिनी कुमार मौजूद थीं। अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने किया। कुलपति ने कहा कि आज के समय में प्रकृति के संरक्षण की अधिक आवश्यकता है। सरहुल पर्व में प्रकृति पूजन के रूप में हमारे पूर्वजों ने बहुत पहले ही यह संदेश दिया था।

वीमेंस कॉलेज में दूसरी ग्रेजुएशन सेरेमनी के लिए रजिस्ट्रेशन

रांची वीमेंस कॉलेज की दूसरी ग्रेजुएशन सेरेमनी द्वितीय स्नातक समारोह मई के दूसरे सप्ताह में आयोजित होना प्रस्तावित है। इसमें स्नातक सत्र 2013- 16, 2014-17, 2015-18 व स्नातकोत्तर सत्र 2014-16, 2015-17, 2016-18 व बीएड सत्र के 2015-17 और 2016-18, की छात्राओं को डिग्री प्रदान की जाएगी। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कॉलेज की वेबसाइट www.ranchiwomenscollege.org, 27 अप्रैल से 5 मई तक किया जा सकता है। जो छात्राएं पूर्व में डिग्री प्रमाणपत्र प्राप्त कर चुकी हैं, उन्हें आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। अगर वे आवेदन करती हैं, तो उनके रजिस्ट्रेशन का शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। विस्तृत जानकारी कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

मारवाड़ी कॉलेज में लगा रक्तदान शिविर

मारवाड़ी कॉलेज की एवीबीपी इकाई, एनएसएस एवं रेड रिबन क्लब ने प्राचार्य डॉ मनोज कुमार की अध्यक्षता में रक्तदान शिविर लगाया। इसमें 42 विद्यार्थियों ने रक्तदान किया। शिविर में डीएसडब्ल्यू डॉ बीबी महतो, एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो महामनी कुमारी, अनुभव चक्रवर्ती, डॉ सुशील अंकन, एलुमिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल, एबीवीपी महानगर मंत्री पल्लवी गाड़ी सहित अन्य मौजूद थे।

मारवाड़ी कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन

मारवाड़ी कॉलेज के विवेकानंद सभागार में 9 अप्रैल को बायोटेक्नोलॉजी विभाग की ओर से मशरूम उत्पादन पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें बायोटेक फ्रेंड्स के संस्थापक अविनाश कुमार ने मशरूम उत्पादन को लेकर को महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने मशरूम उत्पादन की व्यावसायिक उत्पादन को लेकर अपने अनुभव विद्यार्थियों से साझा किए। कॉलेज के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार ने छात्रों को करके सीखने के सिद्धांत पर कार्य करने की सलाह दी।

रांची वीमेंस कालेज में शिविर का समापन

रांची वीमेंस कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई एक के सात दिवसीय शिविर का समापन 24 अप्रैल को हुआ। इससे पूर्व शिविर की शुरुआत जागरूकता रैली से हुई। रैली राजकीयकृत प्राथमिक विद्यालय नगरा टोली से वीमेंस कॉलेज के साइंस ब्लॉक तक पहुंची। मुख्य अतिथि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में प्रबंधक सोनम कटारूका ने कहा कि एनएसएस का आदर्श वाक्य 'नॉट मी बट यू' लोकतांत्रिक जीवन की भावना का प्रतिनिधित्व करता है। नि:स्वार्थ सेवा की आवश्यकता पर जोर देता है। समापन समारोह में पल्लवी ग्रुप ने विधवा

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समाचार

होना अभिशाप नहीं, एब्लिन एक्का ग्रुप ने वृक्ष लगाओ धरती बचाओ विषय पर नाटक प्रस्तुत किया। समापन पर कार्यकर्ताओं को प्रमाण पत्र दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक की प्रोग्राम ऑफिसर डॉ कुमारी उर्वशी ने किया।

रेडियो खांची से एनसीईआरटी की ध्वनिशाला का प्रसारण शुरू

विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो स्टेशन रेडियो खांची 90.4 एफएम से स्कूली पाठयक्रम पर आधारित पॉडकास्ट का प्रसारण 11 अप्रैल से शुरू हुआ। बच्चों की यह ध्वनिशाला एनसीईआरटी, नई दिल्ली के सौजन्य से प्रसारित की जा रही है। इसमें पहले चरण में कक्षा एक के छठी तक के बच्चों के लिए पाठयक्रम आधारित पॉडकास्ट प्रसारित किया जाएगा। पहले दिन 11 अप्रैल को कक्षा एक हिन्दी पाठयक्रम का प्रसारण दोपहर 3 बजे से शुरू हुआ। हर दिन ध्वनिशाला का प्रसारण दोपहर 3 बजे से किया जाएगा। रेडियो खांची के निदेशक डॉ आनंद कुमार ठाकुर ने बताया कि पहले चरण में 30 पॉडकास्ट का प्रसारण किया जाएगा। उसके बाद अंग्रेजी कहानियों का प्रसारण शुरू होगा। अभी रेडियो खांची 17 को कक्षा-4, तक का साहित्य पॉडकास्ट प्राप्त हुआ है।

विश्वविद्यालय के अखड़ा में सरहुल उत्सव

विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के अखड़ा में 5 अप्रैल को सरहुल महोत्सव का आयोजन किया गया। कोरोना संकट के दो वर्ष बाद हुए इस उत्सव में विद्यार्थियों व शिक्षकों का उत्साह देखते ही बना। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मेयर डॉ आशा लकड़ा थीं। अध्यक्षता कुलपति डॉ कामिनी कुमार ने की। मौके पर उन्होंने कहा कि टीआरएल विभाग को सेंटर ऑफ एक्सीलेंसब नायाज ाएगा।प ाहनन ेिवधिवतस रहुलप ूजास ंपन्न की। इसके बाद डॉ टीएन साहू ने सरहुल मंत्र का पाठ किया, जिसमें सर्व कल्याण की कामना की गई। सरहुल उत्सव में हिस्सा लेने अमेरीकी शोध छात्राएं मेरी रिचर्डसन और एमेंडा भी पहुंची। वे अन्य छात्र छात्राओं के साथ सामूहिक नृत्य में भी शामिल हुई। इस मौके पर कुलपति कुलपति डॉ कामिनी कुमार ने कहा कि टीआरएल विभाग को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाना है। इसमें अंतः विषय शोध भी कराया जाएगा। कुलपति ने बताया कि नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में शिक्षा होगी, इसके तहत टीआरएल विभाग की ओर से सभी नौ भाषाओं में स्कूली पाठयक्रम की पुस्तकों का अनुवाद किया जा रहा है, जो स्कूलों को जल्द उपलब्ध कराया जाएगा। टीआरएल के 42 लेक्चर स्वयं पोर्टल पर अपलोड हुए हैं।

बिल्डिंग कमेटी की बैठक में कई निर्णय

विश्वविद्यालयम ुख्यालया स्थितम ैलानाअ ाजादस ानेटह ॉलक ा रिनोवेशन होगा। इसे इको प्रूफ बनाया जायेगा। यह निर्णय 7 अप्रैल को कुलपति डॉ कामिनी कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बिल्डिंग कमेटी की बैठक में हुआ। साथ ही आर्यभट सभागार का भीि रपेयरअ ैरि रनोवेटि कयाज ायेगा।ि प्रलिमनीप्र ाेजेक्टि रपोर्ट "पीपीआर" तैयार है। साथ ही वॉलीबॉल कोर्ट में सेंथेटिक टर्फ लगाने पर भी मुहर लगा दी गयी। बैठक में सीसीडीसी डॉ राजेश कुमार, डॉ प्रीतम कुमार आदि शामिल हुए। वहीं बॉटनी विभाग खुद की एक नर्सरी तैयार करेगा और इसके पौधों से संबंधित जानकारी भी लोगों को दी जायेगी।

राहे में डिग्री कॉलेज के लिए पहल

विश्वविद्यालय को राहे प्रखंड के खटंगा गांव में डिग्री कॉलेज के लिए मिली 5 एकड़ भूमि पर 9 अप्रैल को कुलपति डॉ. कामिनी कुमार की मौजूदगी में बोर्ड लगाया गया। मौके पर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता, सीसीडीसी डॉ. राजेश कुमार व सिल्ली विधायक सुदेश महतो आदि मौजूद थे। इस आयताकार भूमि पर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस डिग्री कॉलेज बनना प्रस्तावित है। इस भूमि से सटा हुआ राजकीय बालिका प्लस-2 स्कूल है और दूसरी तरफ खेल मैदान भी बनना है। मौके पर मौजूद स्कूली छात्राओं का कहना था कि 12वीं के बाद उच्च शिक्षा के लिए बाहर जाकर पढ़ाई करना सबके लिए संभव नहीं है। ऐसे में डिग्री कॉलेज खुलने से उनकी यह समस्या दूर हो जाएगी। कुलपति कामनी कुमार ने कहा, राहे प्रखंड में जिस स्थान पर डिग्री कॉलेज बनना है, वह भविष्य में शिक्षा के हब के रूप में विकसित होगा।

केमिस्ट्री विभाग के शोधार्थियों ने बनाये पोस्टर

विश्वविद्यालय के केमिस्ट्री विभाग में शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने 26 अप्रैल को पोस्टर का प्रदर्शन किया। तीन विद्यार्थियों के बेहतर पोस्टर का चयन हुआ। इसमें अंकिता चक्रवर्ती, राजेश कुमार और सुनीता सिंह शामिल हैं। इसके अलावा रोहिणी कुमारी, पीयूष कुमार, प्रीति कुमारी का प्रयास सराहनीय रहा। आयोजन में डॉ नम्रता सिंह, डॉ स्मृति सिंह, डॉ नीता सिन्हा ने सहयोग किया। विभागाध्यक्ष डॉ एके डेल्टा की अध्यक्षता में सभी पोस्टरों का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर डॉ हरिओम पांडेय, डॉ नीरज, राकेश शर्मा आदि मौजूद थे।

एनएसएस स्वयंसेवकों ने सेनेटरी नैपकीन बांटे

रांची वीमेंस कॉलेज की एनएसएस इकाई के विशेष शिविर में कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ कुमारी उर्वशी के नेतृत्व में 23 अप्रैल को स्वयंसेवकों ने विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लिया। 50 स्वयंसेवकोंक ा5 ट ामिन ेस वच्छतास ंबंधीस र्वे ि कया।ि जसका उद्देश्य गलियों, सड़कों को साफ-सुथरा रखना था। सामुदायिक शौचालयों की जानकारी ली गई। स्वयंसेवकों ने लोगों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, बस्ती की महिलाओं के बीच सेनेटरी नैपकिन और आयरन की गोलियों का वितरण किया गया। इसके बाद मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ रोहिता विकास ने तनाव प्रबंधन के गुर बताए। कहा कि तनाव और उसके प्रभावों पर दोस्तों, परिवार और सहकर्मियों के साथ खुलकर बात करनी चाहिए। मौके पर जागरुकता रैली भी निकाली गई।

बांग्ला विभाग में रिसर्च जनरल का लोकार्पण

विश्वविद्यालय के बंगला विभाग में 27 अप्रैल को रिसर्च जनरल-2022 का लोकार्पण हुआ। यह रिसर्च जनरल प्रो एनके बेरा की देखरेख में तैयार किया गया गया। इसमें 33 अलग-अलग लेख हैं। लोकार्पण रांची विवि की कुलपति डॉ कामिनी कुमार, ह्यूमनिटीज डीन गौरी शंकर झा सहित अन्य अतिथियों ने किया। इस अवसर पर विभाग की एचओडी डॉ निवेदिता सेन, डॉ गौतम मुखर्जी, डॉ पीआर लाहा, डॉ बैधनाथ कुमार, डॉ दीपक प्रमाणिक सहित विभिन्न कॉलेजों के बंगला विभाग के शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद थे।

जेएन कॉलेज में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम

जेएन कॉलेज धुर्वा में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन 27 अप्रैल को किया गया। यह कार्यक्रम पर्यावरण व अनुशासन समिति तथा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन कोषांग द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ एसके झा ने बताया कि कॉलेज इस वर्ष अपनी 50वीं वर्षगांठ मना रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यद्रि को पर्यावरण के प्रति जागरूक होना चाहिए। कॉलेज परिसर में एक हजार पौधा लगायेगा। इस अवसर पर डॉ प्रमोद सिंह, डॉ पुष्कर, डॉ हिमावती, डॉ राजेश कुमार आदि उपस्थित थे।

मारवाड़ी कॉलेज के छात्र का कैंपस प्लेसमेंट

मारवाड़ी कॉलेज के एक छात्र का प्लेसमेंट 10 लाख रुपये सालाना पैकेज पर हुआ है। कॉलेज प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित कैंपस ड्राइव के माध्यम से मो सरफराज अंसारी का चयन व्यापार सहयोगी के रूप में बायजूस में हुआ है। ड्राइव 25 अप्रैल को हुआ था, जिसमें 180 से अधिक बीबीए और एमबीए के विद्यार्थियों ने भाग लिया। चयनित विद्यार्थी को वीसी प्रो कामिनी कुमार, प्राचार्य डॉ मनोज कुमार, एमबीए के को-ऑर्डिनेटर डॉ आरआर शर्मा ने शुभकामनाएं दी हैं।

पत्रकारिता विभाग में बैडमिंटन कोर्ट का शुभारंभ

मोरहाबादी स्थित पत्रकारिता विभाग परिसर में बैडमिंटन कोर्ट का उद्घाटन 28 अप्रैल को रांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ कामिनी कुमार और रजिस्ट्रार डॉ मुकुंद चंद्र मेहता श्री ने किया । स्टूडेंट क्रियेटिविटी सेंटर परिसर स्थित पत्रकारिता विभाग में उपनिदेशक डॉ विष्णु चरण महतो ने खुद के प्रयास से बैडमिंटन कोर्ट बनवाया है, ताकि छात्र पढ़ाई के साथ ही खेल में भी शामिल हों। इस अवसर पर वीसी डॉ कामिनी कुमार, रजिस्ट्रार डॉ मुकुंद चंद्र मेहता के अलावा समन्वयक डॉ डीके सहाय, डीएसडब्ल्यू डॉ आरके शर्मा, पीएस तिवारी, सुशील रंजन, मनोज शर्मा, शिक्षक पूजा उरांव, डॉ आरती, संतोष उरांव उपस्थित थे।

सिमडेगा कालेज में बहुद्देशीय परीक्षा भवन क उदघाटन

कुलपति डॉ कामिनी कुमार ने 9 अप्रैल को सिमडेगा कॉलेज में नवनिर्मित बहुद्देशीय परीक्षा भवन का उदघाटन फीता काटकर एवं शिलापट का अनावरण कर किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि रांची विश्वविद्यालय के द्वारा शैक्षणिक स्तर में सुधार लाने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोविड के कारण पिछले दो वर्षो से पढ़ाई बुरी तरह से प्रभावित हुई है। उन्होंने कहा कि छात्रों को पढ़ने के लिए खुला वातावरण चाहिए। ऑनलाइन क्लास से छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं दी जा सकती है। क्लास रूम में पढ़ाई का अलग ही माहौल बनता है। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रतिभा को उभारने और उकेरने का काम सिमडेगा कॉलेज ने किया है। छात्र अपनी प्रतिभा को निखारें और उंची उड़ान भरें। चरित्र निर्माण के साथ आगे बढ़े। अपने अंदर के प्रकाश को पहचाने। मौके पर प्राचार्य प्रो बिरबल नाग, डा रामकुमार प्रसाद, प्रो देवराज प्रसाद सहित कई प्रोफेसर और छात्र उपस्थित थे।

मारवाड़ी कॉलेज में शासी निकाय की बैठक

मारवाड़ी कॉलेज में शैक्षणिक सत्र- 2022-23 से बीसीए/आईटी और एमसीए की द्वितीय पाली की कक्षाएं शुरू की जाएंगी। इन विषयों में हर वर्ष बड़ी संख्या में आवेदन आते हैं। छात्र लंबे समय से इन विषयों में सीटें बढ़ाने की मांग कर रहे थे। कॉलेज एकेडमिक काउंसिल के लिए गए इस निर्णय को 29 अप्रैल को शासी निकाय की वार्षिक बैठक में सहमति प्रदान की गई। इसकी अध्यक्षता नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो एसएन सिंह ने की। बीसीए/आईटी और एमसीए द्वितीय पाली में कक्षाओं के संचालन में अतिथि शिक्षकों की सेवा ली जाएगी। साथ ही, कॉलेज नई शिक्षा नीति के अनुरूप कुछ एडऑन कोर्स शुरू करने जा रहा है। ये एडऑन कोर्स कौन कौन से होंगे, यह प्रक्रियाधीन है।

ष्ठासी निकाय की वार्षिक बैठक में कॉलेज के शैक्षणिक और विकास के मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। साथ ही, कॉलेज के 2022-23 में 20 करोड़ का बजट सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। कॉलेज के आइक्यूएसी की ओर से वर्ष 2020-21 के एनुअल क्वालिटी एश्योरेंस रिपोर्ट को भी शासी निकाय ने सहमति प्रदान की। शासी निकाय के प्रोफेशनल सदस्य वीके गादियान के सुझाव पर एक कमेटी का गठन किया जाएगा जो हर 3 माह के अंतराल पर कॉलेज की शैक्षणिक व अन्य गतिविधियों की समीक्षा करेगी और अपने सुझाव देगी। बैठक में कॉलेज के प्राचार्य डॉ मनोज कुमार, प्रो पेमा राम, प्रो कुनुल कांदिर, विनोद कुमार गादियान, डॉ राजीव रंजन शर्मा, डॉ एसपी महतो, डॉ एएस खलखो, डॉ बीबी महतो उपस्थित थे।

Published by : **Ranchi University, Ranchi** *Printed by:* **I. D. Publishing, Ranchi © 9431182812**